



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 198]
No. 198]

नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, फरवरी 24, 2005/फाल्गुन 5, 1926
NEW DELHI, THURSDAY, FEBRUARY 24, 2005/PHALGUNA 5, 1926

वित्त मंत्रालय
(राजस्व विभाग)
(केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड)
अधिसूचना
नई दिल्ली, 24 फरवरी, 2005
आयकर

MINISTRY OF FINANCE
(Department of Revenue)
(CENTRAL BOARD OF DIRECT TAXES)
NOTIFICATION
New Delhi, the 24th February, 2005
(INCOME-TAX)

का.आ. 258(अ).—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खण्ड (15) के उप-खण्ड (iv) की मद (ज) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्र सरकार एतद्वारा वित्त वर्ष 2003-04 के दौरान मैसर्स नार्थ ईस्टर्न इलैक्ट्रिक पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड, शिलांग द्वारा जारी तीस करोड़ रुपये मात्र की धनराशि के 6.25% प्रति वर्ष ब्याज दर वाले प्रत्येक 10,00,000 रुपये के कर-मुक्त बंध-पत्रों की दसवीं शृंखला को उक्त मद के प्रयोजनार्थ विनिर्दिष्ट करती हैं:

बशर्ते कि उक्त मद के अन्तर्गत लाभ तभी प्राप्त होगा यदि ऐसे बंधपत्रों का धारक अपना/अपनी नाम तथा धृति उक्त निगम के पास पंजीकृत करता है।

[अधिसूचना सं. 65/2005/फा.सं.178/41/2004 आयकर नि०-I]

दीपक गर्ग, अवर सचिव

S.O. 258 (E).—In exercise of the powers conferred by item (h) of sub-clause (iv) of clause (15) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby specifies the 10th series of Tax free bonds of rupees 10,00,000 each, carrying an interest rate of 6.25% per annum, aggregating to an amount of Rupees thirty crores only, issued by M/s. North Eastern Electric Power Corporation Limited (NEEPCO), Shillong during the Financial Year 2003-04, for the purpose of the said item:

Provided that the benefit under the said item shall be admissible only if the holder of such bonds registers his/her name and the holding with the said Corporation.

[Notification No. 65/2005/F.No.178/41/2004-ITA.I]

DEEPAK GARG, Under Secy.